किसी विषय को ठीक से समझनें-समझाने के लिए हम उपयुक्त शब्दों, चित्रों, संकेतों आदि का प्रयोग करते है। हमारी सदैव यही कोशिश होती है कि हम अपनी बात को किसी भी प्रकार के तरीके अपनाकर दुसरों तक पहूँचाएँ और हमारी सफलता सिर्फ इसी में है कि पढ़ने वाला दी गई बात को ठीक प्रकार से समझे और व्यक्त कर पाऐ। उसके लिए कभी कभी केवल शब्दों से बात नही बनती उन्हें विभिन्न प्रकार से प्रस्तुत किया जाता है तभी वे सरलता से एक दृष्टी में समझ में आते है और उनका प्रभाव हमारे मस्तिष्क पर सम्बे समय तक बना रहता है। आप जानते है क मानव मन हमेशा सरल से कठिन की और धीरे धीरे बढता है। सबसे पहले विद्यार्थी को शब्द या अंक का ज्ञान चित्रों के माध्यम से ही दिया जाता है। हमारी सीखंने की प्रक्रिया में प्रत्येक स्तर पर शब्दों के साथ साथ दृश्य भी बहुत बड़ी भूमिका निभाते है।

जरा सोचीऐ यदी आप के सामनें ढेर सारे आकडों का विवरण शब्द में किया जाए तो आपका कैसा लगेगा। निश्चित रूप से आप बौखला जाएँगे। मगर यदि उन्हें सुव्यवस्थित ढंग से कम शब्दों में आकर्षक और प्रभावी रुप में प्रस्तुत किया जाऐ जिससे आकडें और विचारों को समझने में सुगमता हो तो आप उसे कभी नही भुलेंगे।